लक्ष्मी सीड्स

जई की फसल का अधिक उत्पादन हेतु सुझाव





लक्ष्मी सीड्स

रिसर्च किस्म

KENT OATS







जलवायु एवं भूमि

जई केन्ट के लिये ठंडा और नम जलवायु की आवश्यकता होती है। यह हर प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। केवल जल भराव व क्षारीय भूमि में ना बोयें।

खेत की तैयारी

3-4 बार हल चलाकर खेत को घास (वीड) रहित करें और पाटा चलायें।



बीज की मात्रा

25-30 किग्रा प्रति एकड़ जीरो टिल ड्रील मशीन या गेहूँ बिजाई मशीन से बिजाई करें।



बिजाई का समय

अक्टूबर माह में (एक किग्रा राई के साथ मिश्रित खेती भी कर सकते हैं।)



खाद एवं उर्वरक

4-5 टन सड़ी गोबर खाद व कम्पोस्ट खाद प्रति एकड़ और 15 किग्रा नाईट्रोजन (33 किग्रा यूरिया) और 8 किग्रा P (50 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट) बिजाई के समय और 15 किग्रा N(33 किग्रा यूरिया) बिजाई के 30-40 दिन बाद दें। पहली कटाई के बाद तुरत 20 किग्रा N(44 किग्रा यूरिया) सिचाई के साथ देवें।



सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिए 3 से 4 सिंचाई उपयुक्त है।



पौध सरक्षण

पशुचारे के लिये प्रयोग करना है। इसलिये कोई भी कीटनाशक छिड़काव ना करें।



कटाई

चारे की अच्छी उपज के लिये 55-65 दिन में कटाई करें।



कृपया ध्यान दें

ऊपर दी गई सलाह हमारे अनुभव, फ़ील्ड डेमोंस्ट्रेशन और हमारे रिसर्च सेंटर्स में किए गए प्रयोगों पर आधारित है। मौसम, मिट्टी के प्रकार और खेती की खास स्थितियों जैसे कारणों से नतीजे अलग-अलग हो सकते हैं। हम सिर्फ़ उपज की क्वालिटी की गारंटी दे सकते हैं, क्योंकि दूसरे कारण हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। यहाँ दी गई जानकारी का मकसद किसानों की ख़ुशी और सफलता सुनिश्चित करना है।

